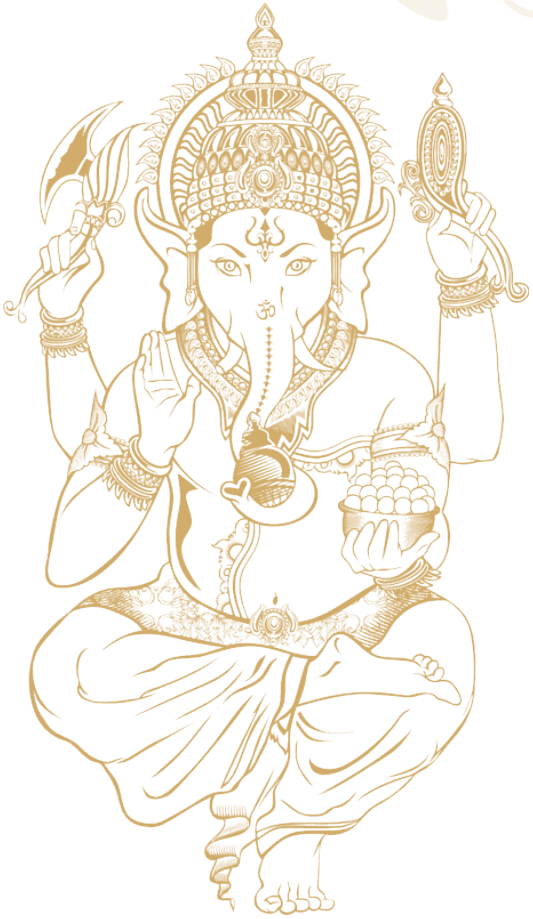

Shreyansh Thakur

09 Jan 1984

05:25 AM

Jabalpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121532002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**8-09/01/1984**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**05:25:00 घंटे**
इष्ट	56:19:20 घटी
स्थान	**Jabalpur**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	23:10:00 उत्तर
रेखांश	79:57:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:10:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:14:48 घंटे
वेलान्तर	-00:06:21 घंटे
साम्पातिक काल	12:25:42 घंटे
सूर्योदय	06:53:15 घंटे
सूर्यास्त	17:40:01 घंटे
दिनमान	10:46:46 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	24:16:09 धनु
लग्न के अंश	02:28:42 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 3**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	वरियान
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	दा-दामोदर
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	02:28:42	327:04:45	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
सूर्य			धनु	24:16:09	01:01:10	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	मित्र राशि
चंद्र			कुंभ	27:46:52	11:51:59	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
मंगल			तुला	05:15:36	00:31:14	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	सम राशि
बुध	व		धनु	07:04:01	00:18:53	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
गुरु			धनु	04:03:40	00:13:14	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	मूलत्रिकोण
शुक्र			वृश्चि	15:55:23	01:12:40	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	सम राशि
शनि			तुला	20:56:46	00:04:27	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	उच्च राशि
राहु	व		वृष	21:45:01	00:03:41	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	21:45:01	00:03:41	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	सूर्य	मित्र राशि
हर्ष			वृश्चि	17:56:35	00:03:09	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
नेप			धनु	06:00:44	00:02:11	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	---
प्लूटो			तुला	08:18:03	00:00:56	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	---
दशम भाव			कन्या	13:21:59	--	हस्त	--	13	बुध	चंद्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:37:46

लग्न-चलित

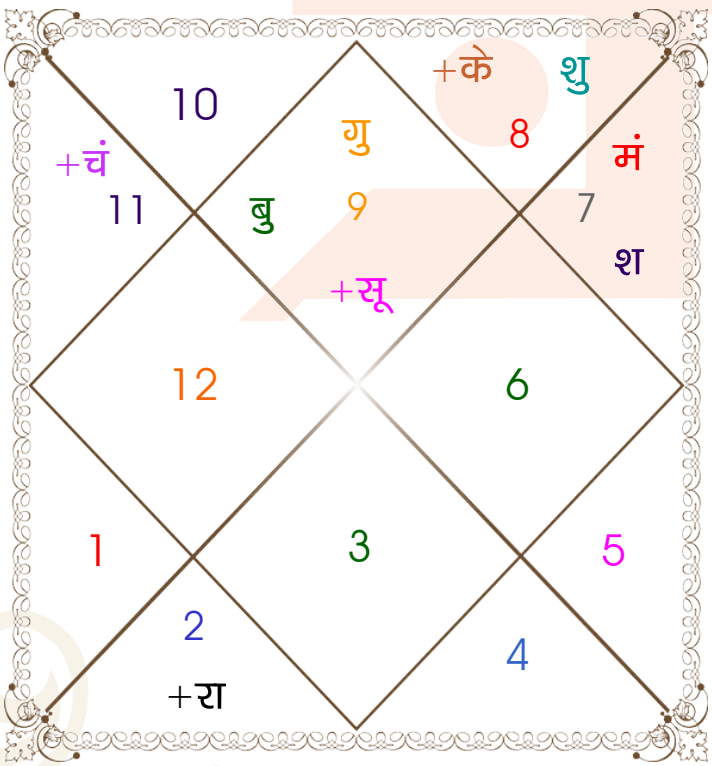

चन्द्र कुंडली

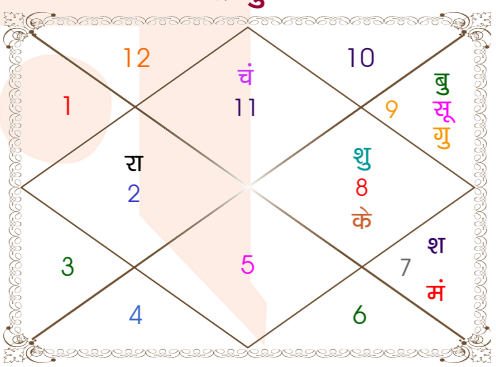

नवमांश कुंडली

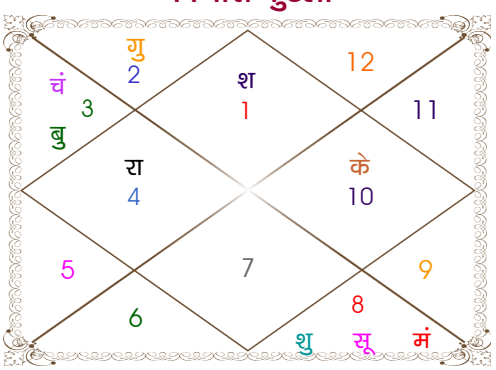

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 6 वर्ष 7 मास 29 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
09/01/1984		07/09/1990		07/09/2009		07/09/2026		07/09/2033	
07/09/1990		07/09/2009		07/09/2026		07/09/2033		07/09/2053	
	00/00/0000	शनि	10/09/1993	बुध	04/02/2012	केतु	03/02/2027	शुक्र	07/01/2037
	00/00/0000	बुध	20/05/1996	केतु	31/01/2013	शुक्र	05/04/2028	सूर्य	07/01/2038
	00/00/0000	केतु	29/06/1997	शुक्र	02/12/2015	सूर्य	10/08/2028	चंद्र	08/09/2039
	09/01/1984	शुक्र	29/08/2000	सूर्य	07/10/2016	चंद्र	11/03/2029	मंगल	07/11/2040
शुक्र	21/03/1985	सूर्य	11/08/2001	चंद्र	09/03/2018	मंगल	08/08/2029	राहु	07/11/2043
सूर्य	07/01/1986	चंद्र	12/03/2003	मंगल	06/03/2019	राहु	26/08/2030	गुरु	08/07/2046
चंद्र	09/05/1987	मंगल	20/04/2004	राहु	22/09/2021	गुरु	02/08/2031	शनि	07/09/2049
मंगल	14/04/1988	राहु	25/02/2007	गुरु	29/12/2023	शनि	10/09/2032	बुध	08/07/2052
राहु	07/09/1990	गुरु	07/09/2009	शनि	07/09/2026	बुध	07/09/2033	केतु	07/09/2053

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
07/09/2053		08/09/2059		07/09/2069		07/09/2076		07/09/2094	
08/09/2059		07/09/2069		07/09/2076		07/09/2094		00/00/0000	
सूर्य	26/12/2053	चंद्र	08/07/2060	मंगल	03/02/2070	राहु	21/05/2079	गुरु	25/10/2096
चंद्र	26/06/2054	मंगल	06/02/2061	राहु	22/02/2071	गुरु	14/10/2081	शनि	09/05/2099
मंगल	01/11/2054	राहु	08/08/2062	गुरु	29/01/2072	शनि	20/08/2084	बुध	15/08/2101
राहु	26/09/2055	गुरु	08/12/2063	शनि	08/03/2073	बुध	09/03/2087	केतु	22/07/2102
गुरु	14/07/2056	शनि	08/07/2065	बुध	06/03/2074	केतु	26/03/2088	शुक्र	10/01/2104
शनि	26/06/2057	बुध	08/12/2066	केतु	02/08/2074	शुक्र	27/03/2091		00/00/0000
बुध	02/05/2058	केतु	09/07/2067	शुक्र	02/10/2075	सूर्य	19/02/2092		00/00/0000
केतु	07/09/2058	शुक्र	08/03/2069	सूर्य	07/02/2076	चंद्र	20/08/2093		00/00/0000
शुक्र	08/09/2059	सूर्य	07/09/2069	चंद्र	07/09/2076	मंगल	07/09/2094		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 6 वर्ष 7 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म कालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म मूल नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु लग्न के उदय काल में हुआ था। आपके जन्म काल धनु लग्न के साथ-साथ मेष का नवमांश एवं धनु राशि का द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। जन्म प्रभाव से यह दृश्य हो रहा कि आप व्यक्तिगत रूप से शक्तिवान धन-वैभव से संपन्न एवं निश्चिन्तता पूर्वक जीवन यापन करने वाले प्राणी हैं। आपकी कुशाग्र बुद्धिमता के पत्ते का खेल तब प्रारंभ होगा। जबकि आपकी आयु 27 वर्ष की होगी और यह समयावधि 31 वर्ष तक अति अनुकूल प्रतीत हो रहा है। क्योकि उसके बाद ही आपको अच्छी प्रकार यह अनुभव होगा कि अब जीवन पथ पर किस प्रकार चलना चाहिए। इसके बाद ही आपको आर्थिक लाभांश प्राप्ति का सुअवसर प्राप्त भी हो सकता है।

आपके लिए यह शिक्षा ग्राह्यनीय है कि आप अपनी बोली पर नियंत्रण रखें। क्योंकि आप निर्भिकता पूर्वक कटु सत्य बोलते रहते हैं। परंतु यह नहीं सोचते हैं कि बातों का सुनने वालों के मन में क्या प्रतिक्रिया होगी। क्योंकि सत्य सदैव पीड़ा कारक होता है। इस कारणवश आपके अधिकांश मित्र आपकी कटु सत्य विचारों को आत्मसात नहीं कर पाते तथा आपके शत्रु बन जाते हैं। जबकि आपके अभिभावक एवं आपमें भातृ बंधु आपकी अति वाचालिक प्रवृति को पसंद नहीं करते। इस परिस्थिति में आप इस प्रकार विस्तृत बिंदु पर नहीं पहुंच सकते। आप चिंतन कर सकते है कि किसी के भी साथ किस प्रकार निर्वाह करेंगे।

साथ-साथ घरेलू मामले में आपको अपनी भाषा पर अतिशय नियंत्रण रखना चाहिए ताकि गृहस्थ जीवन को अबाधगति से संचलन में कोई व्यवधान उपस्थित न हो। जब आप अपनी संतान के साथ वार्तालाप करें तो सावधानी पूर्वक आचरण करे। आपको अपनी धारणाओं के प्रति सदैव आश्वस्त रहना चाहिए। आप अपनी प्यारी पत्नी एवं अत्ति श्रद्धावान पुत्रों से युक्त अपना समधुर पारिवारिक जीवन बिताएंगे। आप इस प्रकरण को किस प्रकार अनुकूलता प्रदान करेंगे। यह आप की विचार शैली एवं कार्य शैली पर निर्भर करता है।

आप समृद्धिवान होकर स्वास्थ्य जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। आपकी अत्यधिक अभिरूचि खेलकूद का प्रदर्शन करने एवं वाह्य हाव भाव को दिखाने में रहती है। आप निर्भयता पूर्वक यात्रा करना पसंद करते हैं। इस प्रकार आप अपने समय को घर पर नहीं बिताते है। यह अच्छी बात हैं क्योंकि आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृति के दुष्प्रभाव से लोग बच जाएंगे और घर में किसी भी प्रकार का क्लेशादि नहीं होगा।

आप धार्मिक क्षेत्र में अग्रसर होकर ध्यान मग्न होने के संबंध में उच्च स्तरीय विचार रखते हैं। आप धर्म एवं भारतीय दर्शन के विकास हेतु व्यक्तिगत रूप से पूर्ण रूचिवान होना एक सुअवसर की प्राप्ति का सौभाग्य समझते हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगे एवं दान-धर्म में आर्थिक योगदान करेंगे।

आपके जीवन का उत्कृष्ट भाग यह है कि आप अत्युत्तम स्वास्थ्य का आनंद प्राप्त करेंगे। परंतु ऐसा संयोग उपस्थित हो सकता है कि जैसे अस्थमा, जोड़ों का दर्द एवं कोई अंग

प्रत्यंग टूटने जैसे रोगों से आप प्रभावित हो सकते हैं। आपके लिए सरल उपाय यह है कि आप इन रोगों के प्रति सतर्कता बरतें।

धनु राशीय प्रभावानुसार आपके लिए व्यावसायों में अनुकूल व्यवसाय राजनीति है। अन्य दूसरा सुंदर व्यवसाय जन सामान्य के मध्य सुवक्ता, भाषण देने वाला बनें। शिक्षण कार्य, अथवा बैंक की नौकरी भी अनुकूल है। अन्यथा आप धार्मिक कार्य, पराविद्या का ज्ञान, धार्मिक संस्थानों से संबंद्ध भी हो सकते हैं। प्रकाशन संबंधी कार्य भी आपको पारिश्रमिक दिला सकता है। इसके अतिरिक्त व्यवसायिक अन्य क्षेत्रों में विधि विधान, विदाई कार्य, अभियंत्रिकी, ठेकेदारी एवं वैदेशिक व्यवसायिक निर्धारण कार्य उत्तम हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक हैं। कृपया स्पष्टतः अंक 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंगों में प्रतिकूल रंग लाल, काला एवं सफेद रंग है। आप रंग नीला, हरा, मरकत रंग, नारंगी, सफेद एवं क्रीम रंग लाभदायक प्रमाणित होंगे।